॥ श्री गणेशजी की आरती ॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ।।

एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी

माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी ।।

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा ।

लड्डुअन का भोग लगे सन्त करें सेवा ।।

अन्धे को आँख देत, कोढ़िन को काया ।

बाँझ को पुत्र देत, निर्धन को माया ।।

'सूर' श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ।।

दीनन की लाज रखो शम्भू शुतवारी ।

कामना को पूर्ण करो जग बलिहारी ।।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जा की पार्वती पिता महादेवा।।

॥ जय-घोष ॥

बोल श्री गणेश जी महाराज जी की जय।

बोल मंगल मूर्ति भगवान की जय।